ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, शुक्रवार 21 जून 2024

वर्ष 1 अंक 111

6 जुलाई से ही होगी नीट की काउंसलिंग, सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर रोक लगाने से किया इनकार

24 न्यूज अपडेट

नीट यूजी 2024 में कथित गड़बड़ी से उपजे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक बार फिर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। एमबीबीएस, बीडीएस समेत विभिन्न मेडिकल कोर्सेज में नीट यूजी स्कोर के आधार पर दाखिले के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया पूर्व निर्धारित तिथि 6 जुलाई से ही शुरू होगी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने कुछ नई याचिकाओं पर एनटीए से जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने इन नई याचिकाओं को इसी मुद्दे से जुड़ी अन्य लंबित याचिकाओं के साथ सूचीबद्ध कर दिया है जिन पर 8 जुलाई को सुनवाई होगी। याचिकाकर्ता के वकील ने अनुरोध किया कि काउंसलिंग 6 जुलाई से स्थगित कर दी जाए क्योंकि सुप्रीम कोर्ट 8 जुलाई को नीट यूजी परीक्षा को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है। लाइव लॉ वेबसाइट के मुताबिक शार्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा, ' नीट काउंसलिंग कोई अचानक खुलने

और बंद होने वाली चीज नहीं है। यह एक प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया 6 तारीख से शुरू होगी । पहले शेड्यूल की अवधि क्या है? क्या यह चार दिन या पांच दिन है? एक सप्ताह... इसके बाद, उस सप्ताह के भीतर, आवेदकों के पास संशोधन आदि के लिए कई विकल्प होते हैं... इसके बाद ही यह कन्वेनर के पास आता है। हम समय बर्बाद नहीं होने दे रहे हैं, चाहे इस तरफ या उस तरफ। स्टूडेंट्स को कॉलेजों के ऑप्शन्स का पता चल जाएगा।'

इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी के आयोजन को चुनौती देने वाली और पेपर लीक तथा ग्रेस मार्क्स देने से जुड़ी कथित गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच कराने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे तीन उच्च न्यायालयों की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

ओरोपी छात्रों को नहीं मिली जमानत

नीट यूजी एग्जाम 2024 के पेपर लीक कांड में गिरफ्तार आरोपियों को पटना कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शुक्रवार को गिरफ्तार 13 आरोपियों में से चार की जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी जिसे कोर्ट ने टाल दिया अगली सुनवाई 25 जून को होगी। इस मामले में कोर्ट ने डायरी की मांग कर दी है। इसके साथ ही पथ निर्माण विभाग के जिस गेस्ट हाउस में आरोपी सिकंदर यादवेंदु और अनुराग ठहरे थे, उसके रजिस्टर की भी मांग की गई है। इस मामले में गिरफ्तार सभी आरोपी पटना के बेऊर जेल में बंद हैं।

संविधान पार्क की गड़बड़ियों पर राज्यपाल ने जताई नाराजगी, नहीं किया लोकर्पण, सुधारने के लिए 8 जुलाई तक का दिया अल्टीमेटम

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर. जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का शुक्रवार को 20वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ. राज्यपाल व कुलाधिपति कलराज मिश्र के आतिथ्य में समारोह में 71 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से नवाजा गया. इसमें 51 छात्राएं शामिल रहीं. छात्राओं के स्पर्धा में आगे आने को राज्यपाल ने देश और प्रदेश के लिए शुभ संकेत बताया. वहीं, समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति ने कहा कि आज के दिन मेरा कुलपति से आग्रह है कि वे इस विश्वविद्यालय में योग पीठ की स्थापना करें, जिससे योग को बढ़ा मिले. उन्होंने कहा कि शिक्षकों को सिर्फ मेधावी छात्र ही तैयार नहीं करने चाहिए, बल्कि उन्हें छात्रों को एक बेहतर नागरिक भी बनाना होगा. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि केंद्र सरकार की ओर से जारी 100 करोड़ के अनुदान का व्यय विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय के हितों पर किया जाएगा ।

संविधान पार्क की गड़बड़ियों पर जताई नाराजगी : राज्यपाल ने कहा कि संविधान में दिए गए अधिकार के साथ-साथ कर्तव्य पर भी ध्यान देना होगा. उनकी पालना सभी को करनी होगी. उन्होंने कहा कि इसके लिए लगभग सभी विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क तैयार हो गए हैं. उन्होंने कहा कि जेएनवीयू में संविधान पार्क बना चुका है, लेकिन वो सही तरीके से नहीं बना है. इसमें बहुत सारी कमियां हैं. यह गतिविधियां खतरनाक है. दंडनीय भी हो सकती है. ऐसे में उनका आग्रह है कि 8 जुलाई तक वापस इसे सही तरीके से तैयार किया जाए, वो फिर यहां आएंगे और पार्क का लोकार्पण करेंगे।

अब सीधा कनेक्ट होगा गोवर्धनविलास और मल्लातलाई

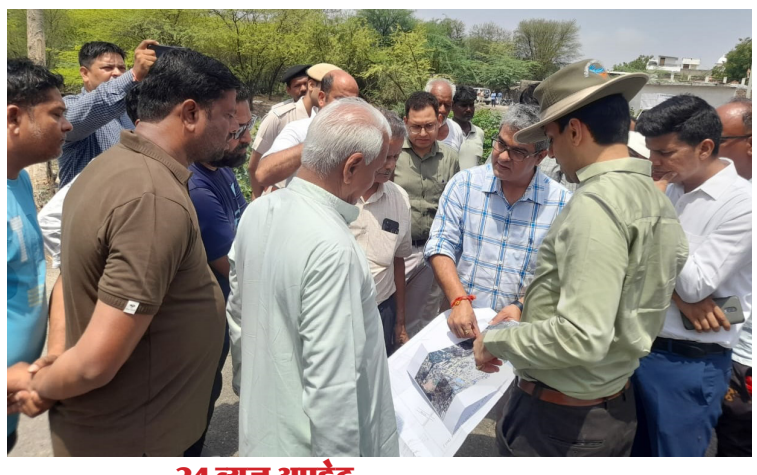

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर शहर में बढ़ रहे यातायात भार को देखते हुए उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने शुक्रवार को यूडीए और निगम के अधिकारियों को बताया कि मात्र 150 मीटर एक निजी खातेदार की जमीन अवाप्त करने के बाद सूरजपोल, गोवर्धनविलास की ओर से आने वाला यातायात बिना शहर में प्रवेश किए मल्लातलाई निकल जाएगा। इसको लेकर शहर विधायक ताराचंद जैन ने जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल और निगम व यूडीए के अधिकारियों को मौका निरीक्षण करवाया। मौके पर खातेदार रास्ते के लिए अपनी जमीन में से 150 मीटर देरे को तैयार है। मौका निरीक्षण कर जिला कलेक्टर ने भी त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार सूरजपोल और गोवर्धनविलास की ओर से आने वाले शहरवासी जिनकों मल्लातलाई की ओर जाना है तो उन्हें शहर में से होकर जाना पड़ता है, जिससे शहर में यातायात दबाव बढ़ रहा है। इसी तरह मल्लतलाई की ओर के लोगों को सूरजपोल और गोवर्धनविलास की ओर आना है तो उन्हें भी पूरा शहर घूम कर जाना पड़ता है। इससे शहर में यातायात दबाव बढ़ जाता है, लेकिन हरिदासजी की मंगरी में होटल ट्राईडेंट के पास चंपा कॉलोनी में एक निजी खातेदार की 150 मीटर जमीन अवाप्त करके एक नया रास्ता बनाया जा सकता है। मात्र 150 मीटर को छोडक़र पूरा रास्ता बना हुआ है। इसी को दिखाने के लिए शहर विधायक ताराचंद जैन शुक्रवार को जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल, यूडीए आयुक्त राहुल जैन, निगम आयुक्त रामप्रकाश, यूडीए अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजीव शर्मा, निगम अतिरिक्त मुख्य अभियंता मुकेश पुजारी, करनेश माथुर के साथ मौके पर पहुँचे। हरिदासजी की मंगरी रोड़ पर होटल ट्राईडेंट की दीवार के पास में चंपा कॉलोनी एक खातेदार की जमीन है। इस खातेदार की जमीन से 150 मीटर जमीन अवाप्त कर सडक़ बनाई जाती है तो मल्लातलाई से रवाना होने वाला शहरवासी हरिदासजी की मंगरी रोड़ से होते हुए चंपा कॉलोनी होता हुआ पिछोला की रिंग रोड़ पर आए और रिंग रोड़ से होता हुआ सीतामाता अभ्यारण्य, जलबुर्ज, दूधतलाई, पाला गणेश जी होते सूरजपोल या गोवर्धन विलास की ओर निकला जा सकता है। चंपा कॉलानी में जिस खातेदार की 150 मीटर जमीन को अवाप्त कर सडक़ बनाना प्रस्तावित है वह मौका जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने देखा। मौके पर मौजूद यूडीए के अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजीव शर्मा ने मौके पर कलेक्टर पोसवाल को 150 मीटर अवाप्त कर सडक़ बनाने नक्शा भी दिखाया। कलेक्टर पोसवाल ने खातेदार की जमीन में जाकर मौका देखा और खातेदार से बात की तो खातेदार भी अपनी जमीन देने को तैयार था। इस पर जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने यूडीए को जमीन अवाप्त कर सडक़ बनाने के निर्देश दिए। यहां पर मौका देखने के बाद सभी पिछोला रिंग रोड़ होते सीतामाता अभ्यारण्य, जलबुर्ज, दूधतलाई पहुँचे।

शराब नीति केस में केजरीवाल आज रिहा नहीं होंगे:HC ने फैसला सुरक्षित रखा; ED का विरोध, केजरीवाल के वकील बोले- वे कोई आतंकवादी नहीं

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. दिल्ली शराब नीति केस में अरविंद केजरीवाल की जमानत पर 24 घंटे के अंदर ही रोक लग गई। दिल्ली हाईकोर्ट की वेकेशनल बेंच ने शुक्रवार को ED की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा- हम दलीलों पर विचार कर रहे हैं। सोमवार-मंगलवार (24 या 25 जून) को हम फैसला सुनाएंगे। तब तक राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले पर रोक रहेगी।

दरअसल, 20 जून को शाम 8 बजे राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी थी। जस्टिस न्याय बिंदु की बेंच ने कहा था कि ED के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सीधे सबूत नहीं हैं। कोर्ट ने केजरीवाल को 1 लाख के बेल बॉन्ड पर जमानत दे दी थी। लोअर कोर्ट के फैसले के विरोध में ED ने 21 जून को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई। जस्टिस सुधीर जैन और जस्टिस रविंदर डुडेजा की बेंच में ED के वकील एसवी राजू ने कहा- लोअर कोर्ट का फैसला सही नहीं है। हमें दलीलें रखने का पूरा समय नहीं मिला। बेंच ने 5 घंटे की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। ED की ओर से ASG एसवी राजू, केजरीवाल की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी और विक्रम चौधरी ने करीब 5 घंटे दलीलें रखीं।

राऊज एवेन्यू कोर्ट के बेल ऑर्डर की 5 बातें

ED के पास केजरीवाल के खिलाफ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। वह किसी भी तरह से सबूत हासिल करने के लिए वक्त ले रही है। यही बात अदालत को जांच एजेंसी के खिलाफ फैसला लेने के लिए मजबूर करती है कि वह पक्षपात के बिना काम नहीं कर रही है। जस्टिस न्याय बिंदु ने कहा कि ED केजरीवाल के उठाए कुछ मुद्दों पर चुप है, जैसे कि उनका नाम CBI केस या ECIR की FIR में नहीं है। केजरीवाल के खिलाफ आरोप कुछ सह-आरोपियों के बयानों के बाद सामने आए हैं।

यह भी एक बड़ा फैक्ट है कि केजरीवाल को आज तक अदालत ने तलब नहीं किया है, फिर भी वे अभी भी चल रही जांच के बहाने ED के कहने पर न्यायिक हिरासत में हैं। ED यह स्पष्ट करने में विफल रहा है कि पूरी धनराशि का पता लगाने के लिए उसे कितना समय चाहिए। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि ED इस बारे में चुप है कि अपराध की आय का इस्तेमाल गोवा में आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनावों में कैसे किया है, जबकि लगभग 2 साल बाद भी इस पूरे अमाउंट का बड़ा हिस्सा पता लगाना बाकी है। इसकी भी संभवाना है कि केजरीवाल के कुछ परिचित लोग किसी अपराध में शामिल हों या अपराध में शामिल किसी तीसरे व्यक्ति को जानते हों, लेकिन ED अपराध की आय के संबंध में उनके खिलाफ कोई जाहिर सबूत नहीं दे सकी है।

संपादकीय : कठघरे में परीक्षा

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि देश भर में जिन कुछ परीक्षाओं को सबसे पुख्ता इंतजामों के बीच कराए जाने और उनकी गुणवत्ता के लिए जाना जाता रहा है, आज धांधली या फिर पहले ही प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने की लगातार घटनाओं के बीच उनकी विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुंच रही है। इन परीक्षाओं का आयोजन कराने वाली एजेंसी की साख इस तरह गिर चुकी लगती है कि अय उसकी क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल है कि अगर यह स्थिति पिछले काफी समय से निरंतर बनी हुई है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है। गौरतलब है कि बुधवार को हुई विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नेट परीक्षा में कई स्तर पर हुई गड़बड़ी के संकेत मिलने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने उसे रद्द करने की घोषणा कर दी। दरअसल, परीक्षा के अगले ही दिन यूजीसी को गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध कोआर्डिनेशन केंद्र से परीक्षा में गड़बड़ी होने के स्पष्ट संकेत मिले थे। अब मंत्रालय ने परीक्षा रद्द करने के साथ-साथ इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआइ को सौप दी है। जाहिर है, अब रामूचे मामले की जांच की प्रक्रिया चलेगी, लेकिन कितने दिनों में उसका नतीजा क्या आएगा, किसे कठघरे में खड़ा किया जाएगा, क्या कार्रवाई होगी, गड़बड़ी से बचाव के क्या इंतजाम किए जाएंगे, इसे लेकर कोई रपष्टता शायद ही सामने आए। यूजीसी नेट की परीक्षा में हुई गड़बड़ी इस तरह का कोई पहला मामला नहीं है। देश में अलग- अलग राज्यों में स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के दौरान गड़बड़ी या प्रश्न पत्रों के पहले ही बाहर आ जाने की घटनाएं पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में रही हैं। यह तब है, जब इन परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश के पहले बहुस्तरीय और बारीक जांच की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है और किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु अंदर ले जाने की छूट नहीं होती। इसके बावजूद परीक्षा के प्रश्न पत्र कुछ आपराधिक तत्वों के हाथ लग जाते हैं और उनका संजाल ऊंची और और रकम लेकर इन्हें अभ्यर्थियों को बेचता है। जब एनटीए संबंधित महकमों की ओर से हर स्तर पर चौकसी बरतने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने का दावा किया जाता है, तब इतनी गंभीर गड़बड़ी कैसे संभव हो पाती है? अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हाल ही में जब नीट की परीक्षा में धांधली की खबर सामने आई, तय केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने पहले उससे इनकार कर दिया था। मगर बाद में जब इस मामले में कुछ माफिया की गिरफ्तारी हुई, तब जाकर यह कहा गया कि कुछ गड़बड़ी हुई है। सवाल है कि धांधली की खबरें आने के बाद उस पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित कराने के बजाय उसे नजरअंदाज करने, पर्दा डालने या फिर उस पर राजनीति की कोशिशों को कैसे देखा जाएगा। जिन परीक्षाओं में लाखों विद्यार्थी एक उम्मीद लेकर तैयारी करते हैं, उनके प्रश्न पत्रों को बाहर निकाल कर लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले माफिया या आपराधिक तत्वों की पहुंच कैसे परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े उस तंत्र तक हो जाती है, जो पूरी पारदर्शिता और सख्ती के साथ परीक्षा आयोजित कराने का दावा करता है? बीते कुछ समय से जिस तरह लगातार इन परीक्षाओं में धांधली की घटनाएं सामने आ रही हैं, उसमें इनकी विश्वसनीयता को लेकर कैसी राय बनेगी और इसके लिए किसकी जवाबदेही तय की जाएगी?

लू का कहर

इस वर्ष की गर्मी को लेकर जिस स्तर के संकट के अनुमान पिछले कई महीनों से व्यक्त किए जा रहे थे, वे जमीन पर उतरते दिख रहे हैं। दिल्ली में भयंकर लू की चपेट में आने से सत्रह लोगों की मौत की खबर आ चुकी है और इस संख्या में बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। धूप की तपिश सहनशक्ति की सीमा के पार करने से बीमार हुए लोग जितनी तादाद में अस्पतालों में भर्ती कराए जा रहे हैं, उससे पता चलता है कि इस गर्मी की मार पिछले कई वर्षों के मुकाबले ज्यादा पड़ रही है। यों तो देश भर में इस बार तापमान जिस स्तर पर सता रहा है, वह परेशान करने वाला है, मगर दिल्ली में न्यूनतम तापमान ने भी पिछले पचपन वर्ष का रिकार्ड तोड़ दिया। मौसम विभाग के सफदरजंग केंद्र के मुताबिक 18 जून की रात को न्यूनतम पारा सामान्य से आठ डिग्री ज्यादा यानी 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालत यह है कि दोपहर के समय के तापमान ने बहुत सारे लोगों के सामने न केवल सामान्य दिनचर्या, बल्कि जीवन तक का संकट पैदा कर दिया है। कई राज्यों में स्कूलों की बंदी को लेकर नए निर्देश जारी करने पड़े। एक ओर ऐसे तमाम लोग हैं, जिनके सामने अपनी जिंदगी चलाने के लिए जानलेवा लू के बीच भी काम करने की मजबूरी है, तो दूसरी ओर सरकारी स्तर पर शायद ही ऐसे इंतजाम किए जाते हैं, जिनसे खुले आसमान के नीचे जानलेवा तापमान और जोखिम के बीच हाड़तोड़ मेहनत करने वालों को थोड़ी राहत मिल सके। कड़ाके की ठंड में जिस तरह बचाव के लिए कंबल और रैन बसेरे बनाए जाने को लेकर कुछ कदम उठाए जाते हैं, उस तरह धूप से बचाव के घटते ठौर के समांतर एक समय जगह-जगह दिखने वाले प्याऊ या मुफ्त पानी के इंतजाम अब शायद ही कहीं दिखते हैं। हालांकि मौसम के मिजाज को देखते हुए बहुत सारे लोग बेहद जरूरी काम होने पर ही घर से निकलते हैं, मगर संतोषजनक आवास और कामकाज की जगहों पर बचाव के उपायों के अभाव के बीच कई लोग लू की तपिश में दम तोड़ दे रहे हैं। मौसम की गति को थामना शायद असंभव है, मगर सरकार अगर लू से बचाव और बीमार होने वालों के इलाज को लेकर मानवीयता के लिहाज से कुछ कदम उठाए तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती है।

श्रीजी प्रभु को आरोगाया गया सवा लाख आम का भोग

तिलकायत श्री एवं विशाल बावा ने श्रीजी प्रभु को कराया जेष्ठाभिषेक स्नान, श्री विशाल बावा ने बताया स्नान यात्रा का महातम्य

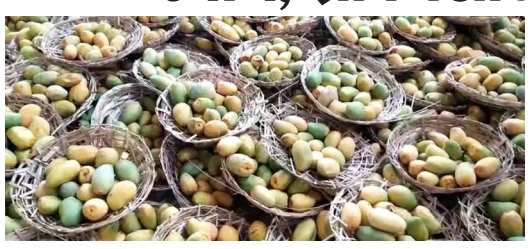

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर। पुष्टीमार्गीय प्रधान पीठ प्रभु श्रीनाथ जी की हवेली में स्नान यात्रा के अवसर पर श्रीजी प्रभु में ज्येष्ठ नक्षत्र के मुहूर्त में शुक्रवार को गो.ति.108 श्री राकेश जी (श्री इंद्रदमन जी) महाराज श्री एवं गो.चि.105 श्री विशाल जी (श्री भूपेश कुमार जी) बावा श्री ने अधिवासित यमुना जल से जिसमें केसर,चंदन, गुलाब जल, सुगंधित फूल बरास, तुलसी पत्र इत्यादि से युक्त जल से श्रीजी प्रभु का महा ज्येष्ठाभिषेक स्नान कराया ! इस अवसर पर वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा वेदोक्त रीति से पुरुष सूक्त का पाठ किया गया! तत्पश्चात श्रीजी प्रभु को अलौकिक श्रृंगार धराया गया व सवा लाख आम का भोग आरोगाया गया! इस अवसर पर श्री विशाल बावा ने स्नान यात्रा के महातम्य के बारे में बताया कि श्रीजी प्रभु निकुंज नायक व पुष्टि सृष्टि के राजाधिराज होने के कारण उन्हें राज्याभिषेक के भाव से भी स्नान कराया जाता है, पुष्टिमार्ग में नंदालय की भावना से बृजराज कुमार होने के कारण भी प्रभु को शीतल जल से स्नान कराया जाता है, पुष्टिमार्ग में एक और सबसे बड़ा महत्व है सख्य भाव से जब गोपिया जल क्रीड़ा के भाव से श्रीजी प्रभु को जल का छिड़काव कर स्नान करा ती है और यही जल क्रीड़ा के भाव से श्रीजी प्रभु में भी श्री जी का ज्येष्ठाभिषेक स्नान तिलकायत श्री शंख से छिड़काव करके ही कराते है जो समस्त पुष्टि सृष्टि को शीतल आनंद प्रदान करता है! श्रीजी प्रभु ऋतु फल होने के कारण आम का सवा लाख भोग भी इसीलिए आरोगते हैं कि वह समस्त पुष्टि सृष्टि को अपने प्रसाद के रूप में उसे प्रदान कर सकें! इस अवसर पर श्रीजी प्रभु के आम का प्रसाद प्रभु की हवेली के सभी द्वारों पर वैष्णव जनों को वितरित किया गया ! श्रीजी प्रभु के स्नान यात्रा के अवसर पर श्रीनाथजी मंदिर के अधिकारी श्री सुधाकर उपाध्याय, मुख्य प्रशासक श्री भारत भूषण व्यास, तिलकायत श्री के मुख्य सलाहकार अंजन शाह, सहायक अधिकारी अनिल सनाढ्य, मंदिर मंडल के सदस्य समीर चौधरी,तिलकायत श्री के सचिव लीलाधर पुरोहित, मंदिर के पंड्या जी परेश नागर, मंदिर के मीडिया प्रभारी एवं पीआरओ गिरीश व्यास,राजेश्वर त्रिपाठी, समाधानी उमंग मेहता, जमादार हर्ष सनाढ्य, कैलाश पालीवाल आदि उपस्थित थे !

चिरंजीवी योजना बंद करके नई स्कीम लाने की तैयारी: 25 नहीं 5 लाख रुपए तक मिल सकता है हेल्थ कवर; कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए अलग से प्रावधान

चिरंजीवी

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय शुरू हुई चिरंजीवी योजना को बंद कर सरकार ने नए सिरे से स्कीम लाने की तैयारी कर ली है। चर्चा है इस स्कीम में केन्द्र सरकार की हेल्थ स्कीम की तर्ज पर 5 लाख रुपए तक का ही इलाज मुफ्त मिलेगा। क्योंकि सरकार का मानना है कि अधिकांश बीमारियों का इलाज 4 से 5 लाख रुपए तक में हो सकता है। इस योजना को लेकर कई बड़े सवालों के जवाब आना अभी बाकी हैं। जैसे- कैंसर, किडनी-लिवर ट्रांसप्लांट जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज मुफ्त होगा या नहीं? क्या नई पॉलिसी में बीमा राशि बढ़ाई जाएगी? नई योजना के तहत इलाज मिलना कब तक शुरू हो जाएगा? क्या 70 साल से ज्यादा उम्र के वृद्ध लोगों को भी योजना में शामिल किया जाएगा?

क्या चिरंजीवी योजना बंद कर दी गई है?

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद से चिरंजीवी योजना को चुनाव के दौरान अघोषित तौर पर सरकार ने बंद कर दिया था। इस कारण अप्रैल-मई महीने में इंश्योरेंस का रिनुअल विंडो को केवल 2 दिन खोलने के बाद उसे बंद कर दिया। लेकिन आमजन के विरोध को देखते हुए सरकार ने आचार संहिता हटने के बाद दोबारा इसके रजिस्ट्रेशन और रिनुअल को चालू करवा दिया।

अब राजस्थान में कौनसी स्वास्थ्य बीमा योजना काम करेगी, कितने का इलाज मुफ्त में होगा?

अभी सरकार ने इस योजना का नाम चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से बदलकर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (MAA) कर दिया गया है। सरकार इस वित्तवर्ष में इसी योजना को चलाएगी। इसमें पहले की तरह 25 लाख रुपए तक की सुविधा मिलती रहेगी। चिरंजीवी में भी 25 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा थी। लेकिन सरकार विचार कर रही है कि इस योजना को अलगे वित्तवर्ष से केन्द्र सरकार की आयुष्मान योजना की तर्ज पर किया जाए। स्वास्थ्य मंत्री का दावा है कि सुविधा उतनी ही मिलती रहेगी, हम योजना का स्ट्रक्चर बदलेंगे।

आखिर क्यों घटाया गया योजना का दायरा?

राजस्थान के हेल्थ मिनिस्टर गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि पिछली सरकार की चिरंजीवी योजना की जांच और रिव्यू करवाया तो एक भी केस ऐसा नहीं निकला, जिसमें 25 लाख रुपए तक का इलाज हुआ और उसका भुगतान हुआ हो। केवल 2-4 केस ही ऐसे थे, जिसमें 13 लाख रुपए का भुगतान हुआ था। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में पिछले एक साल की रिपोर्ट देखें तो जितने भी चिरंजीवी हेल्थ इंश्योरेंस के तहत क्लेम का भुगतान हुआ उसमें 95 फीसदी से ज्यादा 3 लाख रुपए तक के ही हैं।

पाइप लाइन बदलने की मांग पर महिलाओं ने लगाया जाम:एक घंटे बाधित हुआ यातायात , पुलिस प्रशासन की समझाइश के बाद खुला जाम

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा.पानी की पाइप लाइन खराब होने और पानी की सप्लाई पुरे गांव में नहीं होने पर गुस्साई महिलाओं ने आज एमडीआर 7 रोड पर जाम लगा दिया। करीब एक घंटे तक जाम के चलते काफी देर यातायात बाधित हुआ। सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लाइन लग गई । मामला जहाजपुर की ग्राम पंचायत कुराड़िया का है । सरपंच अजीत सिंह मीणा ने बताया कि पिछले छह माह से पाइप लाइन खराब होने की सुचना चंबल परियोजना के अधिकारियों एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों को दे थी बावजूद इसके इन्होंने ग्रामीणों की इस समस्या पर गौर नहीं किया। जिसके चलते परेशान हो कर आज महिलाओं ने रोड पर मटके रख कर प्रशासन को अवगत कराया। थानाधिकारी नरपत राम बाना ने बताया कि पानी की समस्या को लेकर देवली जहाजपुर एमडीआर 7 मार्ग पर ग्रामीण महिलाओं द्वारा जाम लगा कर प्रदर्शन करने की सूचना मिली। जिस पर मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे और महिलाओं से समझाइश कर चंबल परियोजना के अधिकारी सौभागय सेनापति को मौके पर बुला गया।

6 हजार की घूंस लेते पटवारी रंगे हाथों गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. राजसमंद। कृषि भूमि के सीमा ज्ञान के बहाने रिश्वत लेते एक और पटवारी साहब आज धरे गए। यह सिलसिला बरसों से चल रहा है। अबकी बार राजसमंद एसीबी टीम ने कुंभलगढ़ के पटवारी को 6 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी कार्यालय में पीड़ित ने कुंभलगढ़ तहसील में कार्यरत पटवारी अशोक कुमार के खिलाफ शिकायत दी थी। जिसमें बताया कि उसकी कृषि भूमि के सीमा ज्ञान के लिए पटवारी 8 हजार रूपए की रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा है। इसके बाद एसीबी के उप महा निरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन और एएसपी हिम्मत सिंह चारण के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। इस पर पुलिस निरीक्षक मंशा राम ने शुक्रवार को ट्रैप की कार्रवाई करते हुए आरोपी पटवारी अशोक कुमार को पीड़ित से 6 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी पटवारी को पटवार मंडल बड़ गांव, ओलादर व कालिंजर का अतिरिक्त चार्ज भी सौंपा हुआ था।

ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

थाना घासाः- जिला पुलिस अधीक्षक, उदयपुर श्री योगेश गोयल द्वारा संपति संबंधी अपराधों में वांछित अपराधियों की धरपकड हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत श्रीमती अंजना सुखवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक "खेरवाडा" व श्री मनीष कुमार सहायक पुलिस अधीक्षक वृत्त मावली के सुपरविजन में श्री भरत सिह थानाधिकारी, घासा मय टीम द्वारा प्रकरण संख्या 87/2024 धारा 379 भादस व 136 विधुत अधिनियम में दिनांक 07.06.2024 की मध्य रात्री को उनावरा, पलाना कला में कुंए पर लगे बिजली विभाग के ट्रान्सफार्मर से ऑयल की चोरी करने वाले बदमाश 01. मकसूद रजा पिता ईमन सफी, 02. गोपाल पिता तुलसीदास निवासीयान मावली जिला उदयपुर व 03. सुभाषसिंह पिता सुरेन्द्रसिंह निवासी आसोलियो की मादडी, मावली जिला उदयपुर को प्रोडेक्शन वारण्ट पर गिरफ्तार कर बाद अनुसंधान न्यायालय में पेश किया जाकर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

हजारेश्वर कॉलोनी से नहीं जाएगा रजिस्ट्री कार्यालय

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने जिला कलेक्टर को हजारेश्वर कॉलोनी में स्थित रजिस्ट्री कार्यालय को अन्यत्र स्थानान्तरित नहीं करने के लिए पत्र लिखा, जिस पर कलेक्टर ने इस कार्यालय को अन्यत्र स्थानान्तरित नहीं करने का आश्वासन दिया है।

शहर विधायक ताराचंद जैन ने जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल को पत्र लिखकर कहा कि शहर के बीच हजारेश्वर कॉलोनी में स्थित उप पंजीयक कार्यालय को अन्यत्र स्थापित नहीं किया जाए क्योंकि श्हर के बीच होने से आम जन को आने-जाने में सुविधा रहती है। शहर से बाहर स्थापित करने पर मध्यमवर्गीय व गरीब परिवारों को परेशानी होगी। विधायक जैन ने जिला परिषद की बैठक में जिला कलेक्टर पोसवाल को पत्र देकर इस कार्यालय को वहीं पर रखने के लिए कहा। कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि उप पंजीयक कार्यालय वहीं रहेगा। वर्तमान में उप पंजीयक कार्यालय में निर्माण चलने के कारण कुछ समय के लिए शिफ्ट किया जा सकता है पर पुनः यहीं पर स्थापित किया जाएगा

राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने शिक्षामंत्री से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष शेर सिंह चौहान के नेतृत्व में संगठन के एक प्रतिनिधि मंडल ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से जयपुर में मुलाकात कर 14 सूत्री मांग पत्र सौंपकर शिक्षा विभाग में तृतीय श्रेणी शिक्षकों सहित सभी श्रेणी के स्थानांतरण शुरू करने की मांग की। चौहान ने बताया कि शिक्षा मंत्री को प्रेषित ज्ञापन में लिखा है कि साल 2018 के बाद के बाद तृतीय श्रेणी शिक्षकों के एक बार भी स्थानांतरण नहीं किए गए केवल हर बार आशवासन दिए गए जिससे शिक्षकों के सबसे बड़े केडर में बेहद नाराजगी बढ़ती जा रही है। संघ ने शिक्षा विभाग में पारदर्शी शिक्षक स्थानांतरण की नीति क्रियान्वित कराते हुए शिक्षक तबादलों में राजनैतिक डिजायर सिस्टम समाप्त कराते हुए नीति के आधार पर जल्द तृतीय श्रेणी शिक्षकों सहित सभी श्रेणी के शिक्षकों के अनिवार्य रूप से स्थानांतरण शुरू करने, प्रदेश के स्कूलों में एक साल से अधिशेष चल रहे 20 हजार से अधिक शिक्षकों का जल्द समायोजन करने, युवा एवं प्रतिभाशाली शिक्षकों को आगे बढ़ाने के अवसर मिले इसलिए वाइस प्रिंसिपल के 50 फीसदी पदों पर सीधी भर्ती से भरने के प्रावधान लागू कराये जाने तथा सरकारी स्कूलों में बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों को शिक्षा विभाग के कार्यालय सहित अन्य राजकीय कार्यालयों में बाबूगिरी पर लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाते हुए शिक्षकों को बीएलओ सहित सभी प्रकार के गैर शैक्षणिक कार्यों से पूरी तरह से मुक्त कराये जाने का आग्रह किया है।

रीट 2022 में डमी कैंडीडेटों की धरपकड़ःचार दिन से फरार आरोपी शिक्षक अनूप पुलिस की पकड़ में आया, दलालों में दो सरकारी कर्मचारी लेकिन अब तक एफआईआर नहीं

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. रीट शिक्षक भर्ती 2022 में डमी कैंडीडेट बिठाकर परीक्षा पास करने का बांसवाड़ा में ताजा मामला सामने आया है। इसमें पुलिस ने अब तक 10 लोगों को डिटेन कर लिया है। वहीं 4 अभ्यर्थियों के खिलाफ डीईओ प्रारंभिक ने प्रक्ररण दर्ज कराया है। इस पूरे प्रकरण की जांच में अब एसओजी भी जूट गई है। पुलिस इस मामले में खुलासा अभी नहीं कर रही है और न ही अभी डिटेन आरोपियों की गिरफ्तारी बता रही है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को पुलिस ने एक अन्य आरोपी शिक्षक अनूप डोडियार को डिटैन कर लिया है। यह पहले दिन से ही फरार चल रहा था। जिसके बाद पुलिस ने इसको ट्रेस करना शुरू कर दिया था। जानकारी के अनुसार अनूप अपने किसी रिश्तेदार के वहां छीपा था। अनूप सज्जनगढ़ के चुनाखान गांव का रहने वाला है। इसने रीट-प्री एग्जाम बांसवाड़ा शहर के नूतन स्कूल में दिया था, वहीं मुख्य एग्जाम का केंद्र जोधपुर में आया था। जहां प्रवेश पत्र पर पता पाली जिले के बाली गांव का बताया गया। इस पूरे प्रकरण में खास बात यह भी है कि इन अभ्यर्थियों को डमी केंडिडेट उपलब्ध कराने वाले तीन दलाल हांडी गांव निवासी सेवालाल, सज्जनगढ़ निवासी शंकरलाल और गढ़ी पंचायत समिति में कार्यरत ग्राम विकास अधिकारी छगन खडिया है। छगन और शंकरलाल दोनों की सरकारी कर्मचारी हैं। जो जिला परिषद के अधीन हैं। पुलिस ने दोनों को डिटेन कर लिया है, फिर भी दोनों के खिलाफ विभाग से न तो एफआईआर दर्ज कराई गई है और न ही कोई विभागीय कार्यवाही शुरू की गई है। सीईओ वीसी गर्ग ने बताया कि अभी गिरफ्तारी नहीं हुई है और एफआईआर नहीं हुई है। एफआईआर आते ही दोनों के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस ने दलालों से पूछताछ कर बताया कि इनका सीधा संपर्क सांचौर के दलाल से था, जो अभ्यर्थियों को डमी कैंडीडेट उपलब्ध् कराता था। पुलिस ने टीम को भेज कर उसे भी डिटैन कर लिया है। अब उस दलाल के माध्यम से एसओजी और पुलिस दोनों ही डमी अभ्यर्थियों की तलाश में जुट गए हैं। अब तक जो जानकारी सामने आई हैं उसके अनुसार सभी अभ्यर्थी कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र से ही सामने आए हैं। वहीं डमी अभ्यर्थी पाली, जोधपुर जिले के हैं। अभ्यर्थी गीता देवदा पत्नी राकेश निवासी कुशलगढ़ ने डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा दी थी। पास होकर गीता ने नौकरी भी हासिल कर ली। उसकी पोस्टिंग राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पंडवाल ओंकार में है। इसके अलावा महेंद्र पुत्र सोमेश्वर बामनिया निवासी सल्लोपाट ने डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास की। उसे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागतालाब (छोटी सरवन) में नियुक्ति मिली।

साथ ही महेश पटेल निवासी झेर मोटी ने भी डमी कैंडिडेट से परीक्षा पास कर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चीथाथला में नियुक्ति प्राप्त की। चौथा आरोपी बादल पुत्र छगन गरासिया निवासी झलकिया सज्जनगढ़ है, इसकी पोस्टिंग राजकीय उच्च माध्यमिक पड़दा में है।

'राजस्थान में हर महीने निकलेगी वैकेंसी' : सीएम भजनलाल बोले- कॉलेज लेक्चरर के रिटायरमेंट की उम्र 65 साल करने की तैयारी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. राजस्थान में अब हर महीने वैकेंसी निकाली जाएगी। यह ऐलान सीएम भजनलाल शर्मा ने किया है। उन्होंने कहा कि जैसे ही कोई कर्मचारी रिटायर होगा, उसके पद पर वैकेंसी निकाली जाएगी ताकि बैकलॉग जैसी समस्याओं से युवाओं को परेशान न होना पड़े। बैकलॉग और इस तरह के जो नियम हैं, वह अब नहीं चलने वाले हैं।

उन्होंने यह भी कहा- सरकार कॉलेज लेक्चरर के रिटायरमेंट की उम्र 65 साल करने पर मंथन कर रही है। सीएम आज अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रांतीय अधिवेशन में पहुंचे थे। अधिवेशन में उन्होंने कहा- सरकार के गठन में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसलिए मैं युवाओं से कहना चाहता हूं, आप किसी भी तरह की चिंता न करें। हमारी सरकार में कोई भी पद खाली नहीं रहेगा। हम हर महीने वैकेंसी निकालेंगे।सीएम ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- राजस्थान में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने बिना शिक्षकों के ही बड़ी संख्या में कॉलेज खोल दिए थे। उनमें न कोई स्थाई शिक्षक है और न ही प्राचार्य हैं। इसलिए हमारी सरकार ने इन सभी कॉलेज के रिव्यू के लिए हाई पावर कमेटी का गठन किया है, जो इन कॉलेज का निरीक्षण करेगी। वहां की कमियों को कैसे दूर किया जा सकता है, इस पर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार कॉलेज में शिक्षकों के रिटायरमेंट की आयु सीमा को बढ़ाकर 65 वर्ष करने पर भी मंथन कर रही है। इसके साथ ही प्रत्येक विभाग में हर साल कर्मचारियों का प्रमोशन हो, उन्हें मूलभूत सुविधाएं मिल सकें। इसको लेकर हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।सीएम ने कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा- कांग्रेस ने जहां टीचर नहीं थे, वहां स्कूल खोल दिए। जहां प्रोफेसर नहीं थे, वहां कॉलेज खोल दिए। प्रदेश के कॉलेजों में आज स्टूडेंट्स की संख्या 11, 15 और 20 है। जो कांग्रेस सरकार के कारनामों की पोल खोलती है। जल जीवन मिशन में भी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने काले कारनामे कर दिए, जिसका नुकसान अब जनता उठा रही है। उन्होंने कहा कि पानी की योजना के लिए सबसे पहले सोर्स जरूरी है, लेकिन पिछली कांग्रेस सरकार ने बिना पानी के सोर्स के ही टंकियां बना दीं। सड़कों को खोदकर पाइपलाइन बिछा दी। उन्होंने सिर्फ राजस्थान की जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने का काम किया।

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा नहीं देंगे इस्तीफाःलोकसभा चुनाव परिणाम के बाद पहली बार किसी सरकारी बैठक में शामिल हुए

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. सीएम भजनलाल शर्मा की ओर से प्री-बजट मीटिंग में आज किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो रही है। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा भी जुड़े हैं। ऐसे में मंत्री मीणा के इस्तीफे को लेकर चल रहा संशय आज खत्म हो गया। किरोड़ीलाल मीणा लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद पहली बार किसी सरकारी बैठक में मंत्री के तौर पर आधिकारिक रूप से शामिल हुए हैं। दरअसल, शुक्रवार को सीएम की अध्यक्षता में प्री-बजट बैठक हो रही है। इस बैठक में सीएम किसान, पशुपालक और डेयरी प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे हैं। बैठक में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, जलसंसाधन मंत्री सुरेश रावत, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर और सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक मौजूद हैं, कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा सवाईमाधोपुर से वीसी से जुड़े हैं। चार दिन पहले एक बयान में

मंत्री किरोड़ी ने साफ कर दिया था कि वे अपना काम करते रहेंगे। इसके बाद से उनके इस्तीफे को लेकर चल रहे संशय पर विराम लग गया था। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में मंत्री किरोड़ी को पीएम नरेंद्र मोदी ने 7 लोकसभा सीटों की जिम्मेदारी सौंपी थी। मंत्री ने कहा था इन सात में से एक भी सीट हारे तो वे मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। दौसा, करौली-धौलपुर, टोंक-सवाई माधोपुर और भरतपुर सीट पर पार्टी को हार मिली। इसके बाद से किरोड़ीलाल मीणा ने अपने कामकाज से दूरी बना ली थी।

6 दिन पहले इस्तीफे के सवाल पर मुंह पर रखी थी अंगुली

6 दिन पहले किरोड़ीलाल मीणा माउंट आबू के दौरे पर थे। इस दौरान उनसे इस्तीफे को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मुंह पर अंगुली रख ली थी। इसके 2 दिन बाद ही सिरोही जिले में स्थित ब्रह्मकुमारी आश्रम के किसान सम्मेलन में उन्होंने कहा था- मैं राजस्थान का मंत्री हूं, प्रदेश को कैसे आगे ले जाया जा सकता है। इस स्थान से प्रेरणा प्राप्त करके मैं राजस्थान को आगे ले जाने की कोशिश करूंगा। रिजल्ट के दिन लिखा था- प्राण जाए पर वचन न जाई लोकसभा चुनावों के रिजल्ट से पहले रुझानों में बीजेपी को 11 सीटें हारते देख ही मीणा ने दोपहर में ही सोशल मीडिया पोस्ट करके इस्तीफे के संकेत दे दिए थे। उन्होंने रामचरित मानस की चौपाई- रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई, लिखकर संकेत दिए कि वे अपनी घोषणा से पीछे नहीं हटेंगे।

अतिक्रमण होते हैं तब मौन साध लेते हैं निगम के अफसर, अतिक्रमण हो जाने के बाद 'हाईपावर शिकायत' पर करते हैं मनमानी कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। नगर निगम में एक दस्तूर बरसों से चल रहा हैं जब अवैध निर्माण होते हैं तब उसे नेताओं और अफसरों की शह पर होने दिया जाता है, सब आंख मूंदकर बैठ जाते हैं। शिकायतों को कूड़ेदान में डाल दिया जाता है मगर जब निर्माण हो चुका होता है तब अचानक किसी हाई पावर अदृश्य शक्ति की शिकायत पर पूरा अमला जाग उठता है और या तो अतिक्रमण हटाने की कोई एक खास कार्रवाई होती जिसमें नोटिस चस्पा करने या सीज करने की कार्रवाई होती है। बाकी शिकायतें ठंडे बस्ते में पड़ी रहती है जिससे यह संदेश जाता है कि अवैध निर्माण के मामलों में भी टार्गेटेड कार्रवाइयां हो रही हैं। जबकि होना यह चाहिए कि सबसे पहले सवाल उस अधिकारी पर उठने चाहिए जो उस इलाके में अतिक्रमण नहीं होने देने के लिए तैनात है, उस बात की तनख्वाह ले रहा है। उसके रहते आखिर अतिक्रमण हो कैसे गया? क्यों नहीं अतिक्रमण होने पर उसकी तनख्वाह से हर्जाना लिया जाना चाहिए। बहरहाल, आज उदयपुर में नगर निगम की टीम ने सुबह होटल जगत निवास पर कार्रवाई की और स्वीकृति से ज्यादा बनाए 7 कमरे सीज कर दिए। नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम की टीम सुबह करीब 7 बजे जगत निवास होटल लालघाट पर पहुंची और वहां होटल के 7 कमरों, जिम व अन्य पोर्शन को सीज कर दिया। इस दौरान होटल में गेस्ट ठहरे हुए थे व उनके कमरों के ताले लगे हुए थे। निगम के दस्ते ने ताले तोड़ने की बात कही। गेस्टकोदूसरेकमरोंमेंकरवानापड़ाशिफ्ट इस पर आनन-फानन में गेस्ट को अलग कमरों में शिफ्ट करवाया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार होटल को जी प्लस टू की स्वीकृति थी मगर स्वीकृति विपरीत निर्माण कर कुछ कमरे अतिरिक्त बना दिए। यह निर्माण भी आज का नहीं, 2019 का बताया जा रहा है। उस भाग को सीज करने की खबर है। इस कार्रवाई के दौरान नगर निगम से डीटीपी सिराजुद्दीन,एटीपी विजय डामोर, राजस्व निरीक्षक विजय जैन, राहुल मीणा सहित सुरक्षाकर्मी मौजूद थे। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि सीज किए भाग में कोई निर्माण नहीं करें और अगर ऐसा किया जाता है तो पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। इस बारे में होटल प्रशासन से बात करने का प्रयास किया गया मगर उन्होंने कहा कि उनका कोई पक्ष नहीं है। मीडिया को जानकारी देने से किया मना इस मामले में हाई पावर अप्रोच होने से कार्रवाई के बाद हालात यह हो गए कि कार्रवाई करने वालों ने मीडिया को जानकारी देने से ही मना कर दिया। डीटीपी सिराजुद्दीन ने कहा कि एटीपी विजय डमोर से बात कीजिए, एटीपी डामोर ने कहा कि इस मामले में जानकारी सिराजुद्दीन ही दे पाएंगे, उनके पास अधिकार नहीं है, फोन पर वे जानकारी नहीं दे सकते। राजस्व निरीक्षक राहुल मीणा ने भी जानकारी देने से मना कर दिया। ऐसे में सवाल यह उठ खड़ा हुआ कि आखिर कौनसी मजबूरी के चलते कार्रवाई करने वालों ने ही मामले में चुप्पी साध ली। बताया जा रहा है कि उस इलाके में ऐसे सैंकड़ों निर्माण हैं जिनमें मंजूरी का लोचा है। इसके आलवा आस-पास ही कई दिखते हुए अतिक्रमण हैं जिन्हें शिकायतों के बाद भी तोड़ा नहीं जा रहा है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि निगम को शिकायतों का भी इंतजार क्यों, आस-पास कई जगह तो अब भी ताजा-ताजा निर्माण हो रहे हैं। वहां पर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों की निगाहें क्यों नहीं जा रही है। या फिर जा भी रही है तो आंखें बंद रखने के आदेश हैं। कार्रवाई की टाइमिंग पर सवाल, कहीं कोई सिस्टम को अपने हिसाब से तो नहीं हांक रहा इधर, इस मामले में जब हमने अतिक्रमणरोधी समिति के अध्यक्ष पार्षद छोगालाल भाई से बात की तो उन्होंने कहा कि हमको तो बस रोड साइड वाले अतिक्रमण हटाते समय ही इन्वोल्व किया जाता है बाकी ऐसे मामलों में राजस्व शाखा वाले ही कार्रवाई करते हैं। केवल ठेले केबिन हटाने हों तो ही महापौरजी व हम तक एप्रोच की जाती है। इस कार्रवाई से बड़ा सवाल यह उठा है कि यदि वास्तव मे सबके अतिक्रमण हटाने की मंशा है तो क्या नगर निगम को पूरे अंदरूनी शहर में सर्वे करवा कर एक साथ अभियान नहीं चलाना चाहिए। अतिक्रमण की आज की कार्रवाई की वैधानिकता पर नहीं, उसकी टाइमिंग और सिर्फ एक चुनींदा कार्रवाई होने पर यह बड़ा सवाल उठाया जा रहा है। जनता में सवाल है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि जिसके पास पावर है वो सिस्टम को ही अपने हिसाब से हांक रहा है????

यो कई वेई ग्यो...प्रशासन की मौजूदगी में बत्ती गुल

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। लेकसिटी में लोग कई महीनों से बिजली की आंख मिचौनी से परेशान हैं। नौबत पावर हाउस के घेराव तक की आ गई है और आक्रोषित लोग टायर जला कर और जीप में आग लगा कानून अपने हाथ में लेने पर मजबूर हो गए हैं। मगर जिला प्रशासन के खास फर्क नहीं पड़ रहा है। ऐसे में आज बिजली ने खुद फैसला किया कि बैठक में बत्ती गुल करनी है। सो, जिला परिषद साधारण सभा की बैठक में आज लंच के दौरान 15 मिनट तक बिजली गुल हो गई। इस दौरान केबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी , सांसद मन्ना लाल रावत,जिला कलेक्टर पोसवाल, जिला प्रमुख ममता कुंवर सहित बिजली विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान नेता और अधिकारी पसीना-पसीना हो गए। जिला प्रमुख ममता कुंवर स्वय पेपर से हवा करते नजर आई। अब उम्मीद है कि नेताओं और अधिकारियों ने आज जनता का दर्द महसूस जरूर किया होगा।

जुलाई में बांसवाड़ा दौरा करेगा एटोमिक एनर्जी रेग्यूलेटरी बोर्डःन्यूक्लियर पॉवर प्लांट का शिलान्यास कार्यक्रम से पहले जानेगा हाल

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा.जिले के छोटी सरवन क्षेत्र में बनाए जा रहे परमाणु ऊर्जा घर की कार्य प्रगति जानने और आगे शिलान्यास कार्यक्रम के मद्देनजर तीन से पांच जुलाई के बीच एटोमिक एनर्जी रेग्यूलेटरी बोर्ड दौरा करेगा। संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के पवन ने प्रोजेक्ट डायरेक्टर एसके वर्मा से परमाणु बिजलीघर के साइट प्लान, निर्माण कार्य, विस्थापितों को मुआवजा राशि देने जैसे बिंदुओं पर चर्चा की। इस दौरान एटोमिक एनर्जी रेग्यूलेटरी बोर्ड के प्रस्तावित दौरे और परमाणु बिजलीघर के प्रस्तावित शिलान्यास एवं भूमिपूजन कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और वीवीआईपी विजिट, हैलीपेड निर्माण, सभास्थल के संबंध में उपखंड अधिकारी के साथ विजिट कर स्थान चिह्नित करने के लिए प्रोजेक्ट डायरेक्टर को दिशा-निर्देश दिए। इस बीच, प्रोजेक्ट डायरेक्टर वर्मा ने क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस चौकी स्थापित करवाने का आग्रह किया। इस पर संभागीय आयुक्त ने कलेक्टर को क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक के जरिए चौकी स्थापित करवाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त गौरव बजाड़, एडीएम अभिषेक गोयल, एसडीएम बांसवाड़ा-छोटी सरवन प्रकाशचंद्र रैगर, तहसीलदार दीपक सांखला मौजूद रहे।

हिरणमगरी विद्युत विभाग से एक्सईएन और एईएन को हटाया जाए

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरणमगरी में रात्रि को विद्युत आपूर्ति बाधित होने आक्रोशित लोगों ने विद्युत कार्यालय में खड़ी विभाग की गाड़ी जलाने के मामले में शहर विधायक ताराचंद जैन ने पत्र लिखकर वहां पर कार्यरत अधिशाषी अभियंता और सहायक अभियंता को हटाने के लिए कहा है।

हिरणमगरी में गुरूवार रात्रि को विद्युत आपूर्ति बंद होने पर अधिकारियों द्वारा जवाब नहीं देने से आक्रोशित लोगों ने प्रदर्शन कर विद्युत कार्यालय में खड़ी एक विभाग की गाड़ी को आग लगा दी थी। इस घटना को लेकर शहर विधायक ताराचंद जैन ने अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड़ जोन उदयपुर के मुख्य अभियंता को पत्र लिखकर कहा कि हिरणमंगरी में लाईट बंद होने पर जीएसएस पर रात्रि को अधिकारी के नहीं होने से लोगों ने अधिकारियों को फोन किया पर किसी ने फोन रिसीव नहीं किया। इससे आक्रोशित लागों ने जीएसएस पर खड़ी गाड़ी को आग लगा दी। जैन ने लिखा कि यदि अधिकारी मौके पर मिलते और फोन उठाकर जवाब देते तो यह घटना नहीं होती है। जैन ने सेक्टर 4 जीएसएस पर तैनात अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता हटाने के लिए लिखा है।

दो लाख रुपए की शराब के साथ तस्कर गिरफ्तारःतस्करी कर ले जा रहा था गुजरात, आबकारी एक्ट में मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. डूंगरपुर की चौरासी थाना पुलिस ने पोहरी खातुरात गांव के पास शराब से भरी एक कार को जब्त किया है। पुलिस ने कार से 42 कार्टन शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से तस्कर को गिरफ्तार किया है। तस्कर शराब को गुजरात ले जा रहा था। जब्त शराब की कीमत 2 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

चौरासी थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान खान ने बताया कि सूचना मिली थी कि पोहरी खातूरात गांव के पास एक कार का टायर फटने से सड़क किनारे खड़ी है। कार में शराब के कार्टन भरे हुए हैं। सूचना पर थानाधिकारी मोहमद रिजवान खान टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार में शराब के कार्टन भरे हुए मिले। वहीं ड्राइवर कांतिलाल से शराब के बारे में पूछताछ की तो वह कोई जवाब नहीं दे पाया। वहीं उसके पास कोई कागजात भी नहीं होने पर पुलिस ने कार को जब्त किया। पुलिस बरोठी निवासी कांतिलाल को हिरासत में लेकर थाने लाई। पुलिस ने कार से शराब के 42 कार्टन बरामद किए हैं। वहीं एक्साइज एक्ट में मामला दर्ज करते हुए कार ड्राइवर कांतिलाल को गिरफ्तार कर लिया। जब्त शराब की कीमत 2 लाख रुपए बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

24 न्यूज अपडेट
देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल
ताजा खबरें देखने के लिए
हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें
YouTube
24 NEWS UPDATE
हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें
लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।